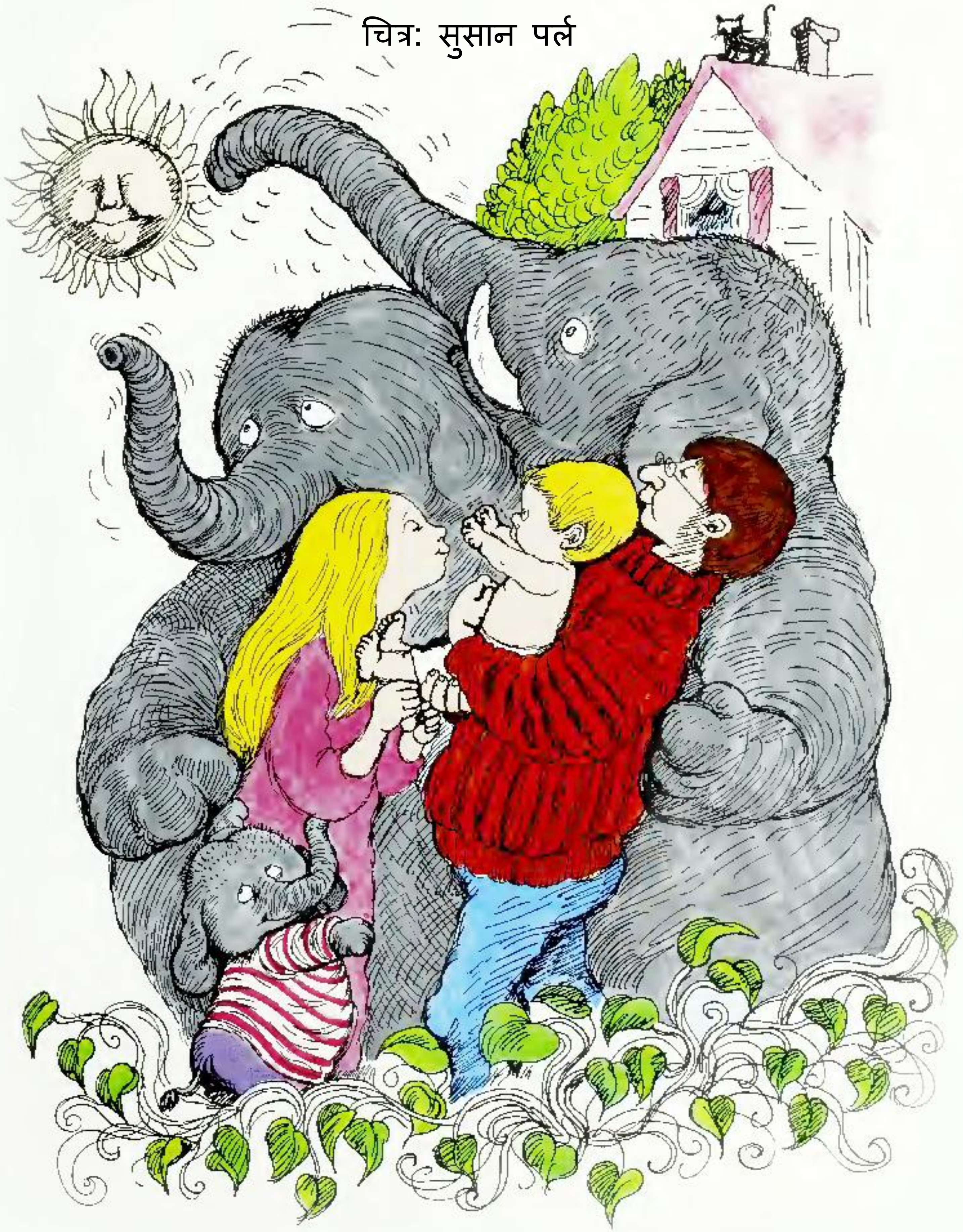
जंबो नाम का लड़का और अर्नोल्ड नाम का हाथी

डैन ग्रीनबर्ग

चित्र: सुसान पर्ल





जंबो नाम का लड़का और अर्नोल्ड नाम का हाथी

डैन ग्रीनबर्ग

चित्र: सुसान पर्ल





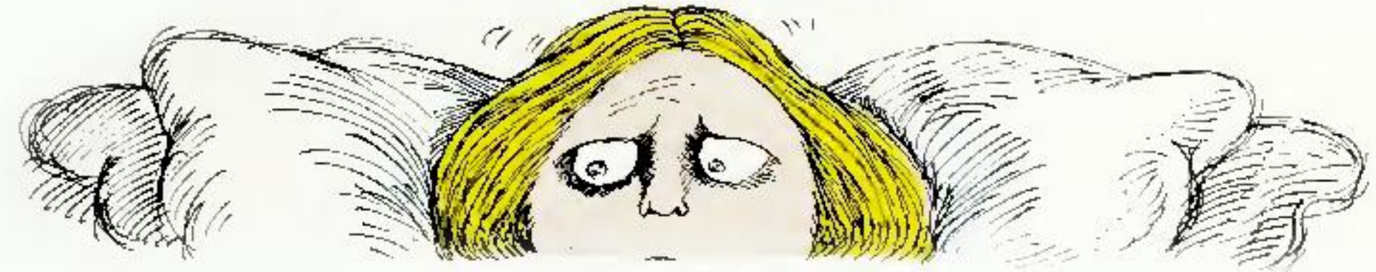


एक बार एक बहुत ही अजीबोगरीब घटना घटी. शहर के बीचों-बीच स्थित एक बड़े अस्पताल में एक ही दिन दो बच्चे पैदा हुए. शायद आपको यह घटना इतनी अजीब न लगे? मुझे आगे बढ़ने दीजिए.

एक बहुत ही अजीबोगरीब गड़बड़ी के कारण, एक नवजात बच्चे को गलती से दूसरे बच्चे की माँ को दे दिया गया, बजाय उसकी अपनी माँ को. आपको तब तक यह समझ नहीं आएगा कि यह कितनी मूर्खतापूर्ण गड़बड़ी थी जब तक मैं आपको यह न बता दूँ कि उनमें से एक बच्चा छोटा लड़का था, और दूसरा एक छोटा हाथी.



अब मैं आपको ठीक-ठीक नहीं बता सकता कि इतनी मूर्खतापूर्ण गड़बड़ी कैसे हुई, लेकिन मुझे पता है कि जिस नर्स ने बच्चों की अदला-बदली की, उसकी नज़र पहले से ही बहुत ही कमज़ोर थी. और दूसरी बात, कि वो नर्स मूर्ख थी जो अपनी गलती कभी स्वीकार नहीं करती थी.



खैर, जब नर्स उस छोटे हाथी को उस छोटे लड़के की माँ के पास ले आई, तो उस छोटे लड़के की माँ हैरान रह गई.

"वह बहुत प्यारा बच्चा है," उसने कहा, क्योंकि वह बच्चे की भावना को ठेस नहीं पहुँचाना चाहती थी, "लेकिन क्या तुम्हें पक्का यकीन है कि यह सचमुच में मेरा बच्चा है? मेरा मतलब है, क्या तुम्हें यकीन है कि कोई गलती तो नहीं हुई है?"

"कोई गलती नहीं हुई है, मैडम," मूर्ख नर्स ने कहा. "मैं कभी गलती नहीं करती हूं."

"मैं समझ गई," छोटे लड़के की माँ ने कहा. "अच्छा, अगर तुम्हें यकीन है कि कोई गलती नहीं हुई है, तो मुझे लगता है कि तुम सही होगी. चलो मैं उसे ले लेती हूं."

मूर्ख नर्स ने छोटे हाथी को उस छोटे बच्चे की माँ को दे दिया, और हालाँकि उस छोटे बच्चे की माँ अभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थी कि कोई गलती नहीं हुई है, फिर भी वह बहस करने के लिए बहुत विनम्र थी.

आखिरकार, छोटा हाथी शायद वैसा नहीं दिखता था जैसा उसने अपने बच्चे से उम्मीद की थी, लेकिन फिर भी, वह एक बहुत ही प्यारा बच्चा था. और, जैसा कि उसने बाद में अपने पति को बताया, "बच्चे कभी-कभी जन्म के समय थोड़े अजीब दिखते हैं. मुझे यकीन है कि जैसे-जैसे वह बड़ा होने लगेगा, वह भी एक छोटे लड़के की तरह दिखने लगेगा."



जब नर्स उस छोटे बच्चे को उस छोटे हाथी की माँ के पास ले गई, तो उस छोटे हाथी की माँ भी हैरान रह गई.

"वह बहुत प्यारा बच्चा है," उसने कहा, क्योंकि वह भी बच्चे की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहती थी, "लेकिन क्या तुम्हें यकीन है कि यह सचमुच में मेरा बच्चा है? मेरा मतलब है, क्या तुम्हें यकीन है कि कोई गलती तो नहीं हुई है?"



"कोई गलती नहीं हुई है, महोदया," मूर्ख नर्स ने कहा. "मैं कभी गलती नहीं करती हूं."

"मैं समझ गई," छोटे हाथी की माँ ने कहा. "अच्छा, अगर तुम्हें यकीन है कि कोई गलती नहीं हुई है, तो मुझे लगता है कि तुम सही होगी. चलो मैं इसे ले लेती हूं."

मूर्ख नर्स ने छोटे लड़के को हाथी की माँ को दे दिया, और हालाँकि छोटे हाथी की माँ अभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थी कि कोई गलती नहीं हुई है, वह छोटे लड़के की माँ की तरह ही विनम्र थी और वो नर्स से बहस नहीं करना चाहती थी.

छोटा लड़का शायद वैसा नहीं दिखता था जैसा की मां को अपने बच्चे से उम्मीद थी, लेकिन फिर भी, वह एक बहुत ही प्यारा बच्चा था. और, जैसा कि उसने बाद में अपने पति को बताया, "बच्चे कभी-कभी जन्म के समय थोड़े अजीब दिखते हैं. मुझे यकीन है कि जैसे-जैसे वह बड़ा होने लगेगा, वह एक छोटे हाथी जैसा दिखने लगेगा."



कुछ ही दिनों में दोनों माताओं को अपने बच्चों को घर ले जाने की इजाज़त मिल गई. छोटे बच्चे की माँ अपने छोटे हाथी को शहर के ऊपरी हिस्से में एक आरामदायक घर में ले गई, और छोटे हाथी की माँ अपने छोटे बच्चे को शहर के चिड़ियाघर में एक आरामदायक पिंजरे में ले गई.



दोनों परिवारों के दोस्त बच्चों को देखने आए, और अगर उन्हें देखकर थोड़ा आश्चर्य हुआ, तो वे इतने विनम्र थे कि उन्होंने माता-पिता की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाली कोई बात नहीं कही.



"Say, that's some baby you've got there," they said. "Just

"देखो वो कितना सुन्दर बच्चा है," उन्होंने कहा. "ज़रा उस बच्चे को देखो," उन्होंने कहा. "वह तो...असाधारण है, है ना?"



जिन लोगों के पास छोटा हाथी था, उन्होंने उसका नाम अर्नोल्ड रखने का फैसला किया. वे उसके लिए ढेर सारे खिलौने लाए, उसे खूब खिलाया-पिलाया, उसके साथ खूब खेले, और उन्होंने यह दिखाने की बहुत कोशिश की कि वह एक सामान्य बच्चा है.



"अर्नोल्ड तेज़ी से प्रगति कर रहा है," वे एक-दूसरे से कहते. "आर्नोल्ड बहुत गुणी लग रहा है." वे धीरे से कहते: "ज़ाहिर है, उसके कान और नाक बाकी शरीर की तुलना में बहुत तेज़ी से बढ़ रहे हैं, और, हाँ, पूँछ भी...."

लेकिन फिर वे सकारात्मक पहलू देखने की कोशिश करते, और कहते: "नन्हे मेंढकों की पूँछ तब होती है जब वे टैडपोल होते हैं और बड़े होने पर उसकी पूँछ गिर जाती है, इसलिए हो सकता है जब अर्नोल्ड बड़ा होगा, तो उसकी पूँछ भी गिर जाए."



जैसा कि होता है, अर्नोल्ड एक बहुत ही चतुर छोटा हाथी था, और बहुत प्यारा भी था, इसलिए जल्द ही उसके पालन-पोषण करने वाले लोग उससे बहुत प्यार करने लगे और उन्होंने उसके कान, नाक और पूँछ पर कोई ध्यान नहीं दिया.

कभी-कभी, जब वे बहुत अच्छे मूड में होते, तो उन्हें लगता कि वे अर्नोल्ड में कुछ पारिवारिक समानताएँ देख सकते हैं, हालाँकि यह सच है कि पिता को लगता था कि अर्नोल्ड माँ के परिवार से मिलता-जुलता था, और माँ को लगता था कि अर्नोल्ड अपने पिता के परिवार से मिलता-जुलता है.



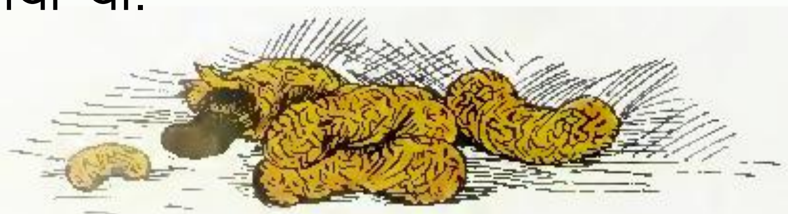


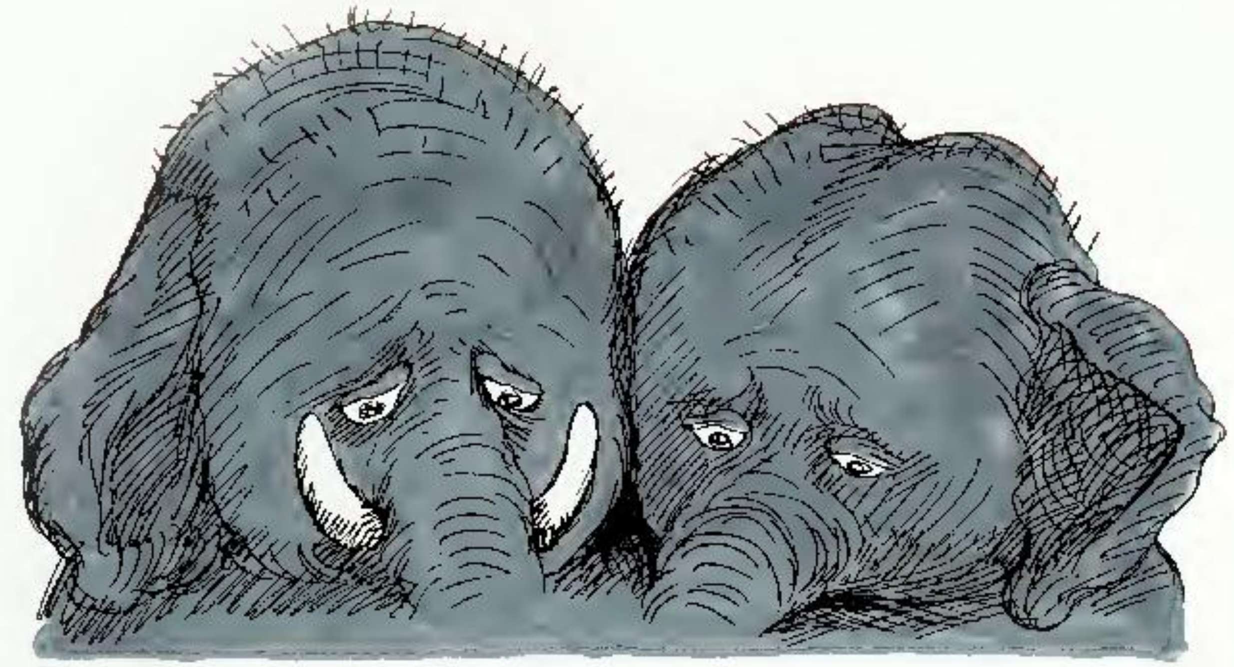
अर्नोल्ड बहुत खुश था. वह उन लोगों से प्यार करता था जो उसकी देखभाल करते थे और वह जानता था कि वे भी उससे प्यार करते थे. लेकिन वह यह भी जानता था कि वह दूसरे छोटे बच्चों से अलग था. पर कभी-कभी उसे लगता था कि वह अजीब लगता था, और कभी-कभी, जब कोई नहीं देख रहा होता, तो वह खुद अकेले रोने लगता था.





जिन हाथियों के पास वह छोटा लड़का था, उन्होंने उसे जंबो नाम देने का फैसला किया. वे उसके लिए ढेर सारी मूंगफली लाए, उसे बहुत अच्छे से खिलाया, उसके साथ खूब खेले, और उन्होंने यह दिखाने की बहुत कोशिश की कि वह एक सामान्य सा छोटा हाथी था.





"जंबो तेज़ी से प्रगति कर रहा है," वे एक-दूसरे से कहते रहे, "जंबो बहुत अच्छा कर रहा है."

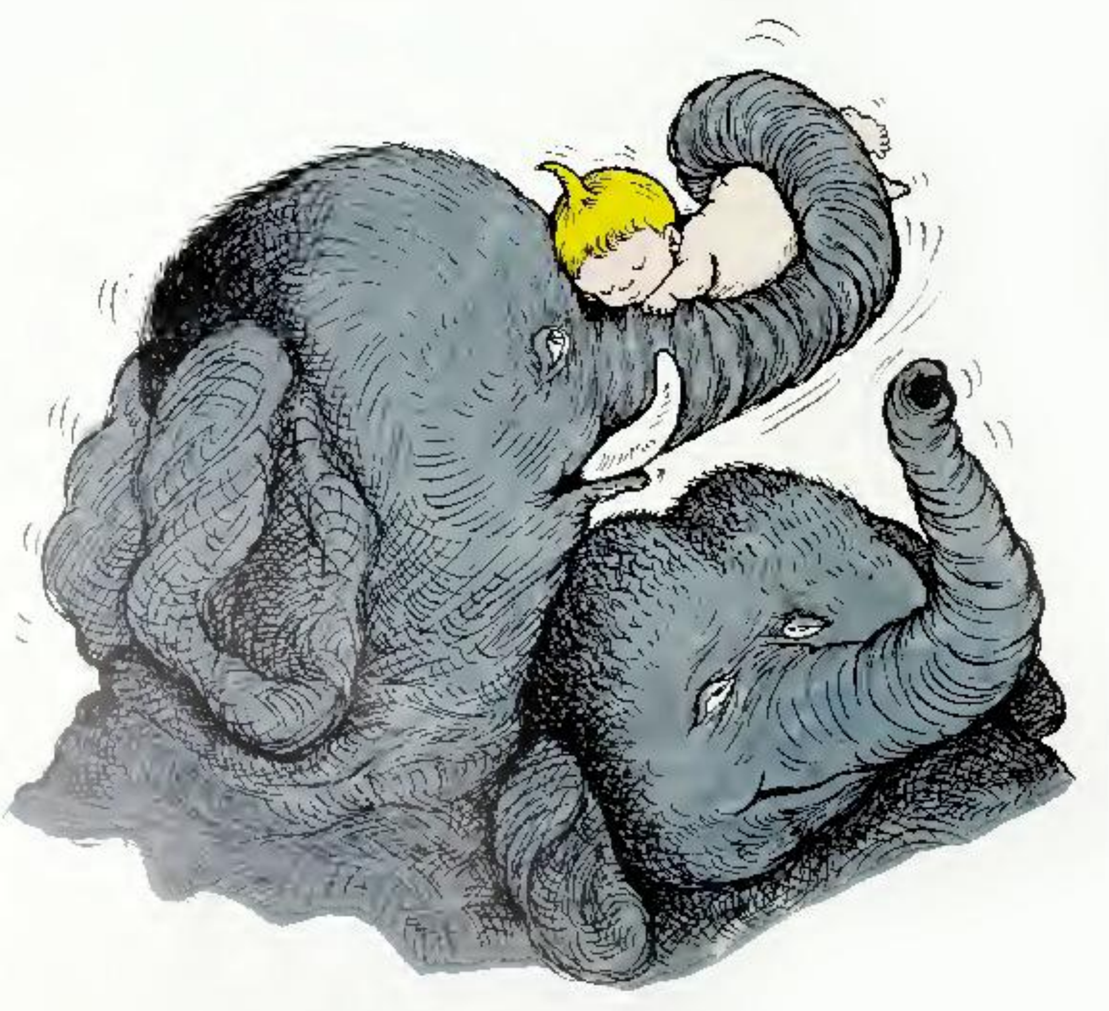
वे धीरे से कहते: "ज़ाहिर है, उसके कान और सूंड बहुत तेज़ी से विकसित नहीं हो रहे हैं, और मुझे यकीन नहीं है कि मैं अब उसकी पूँछ देख पा रहा हूँ..."

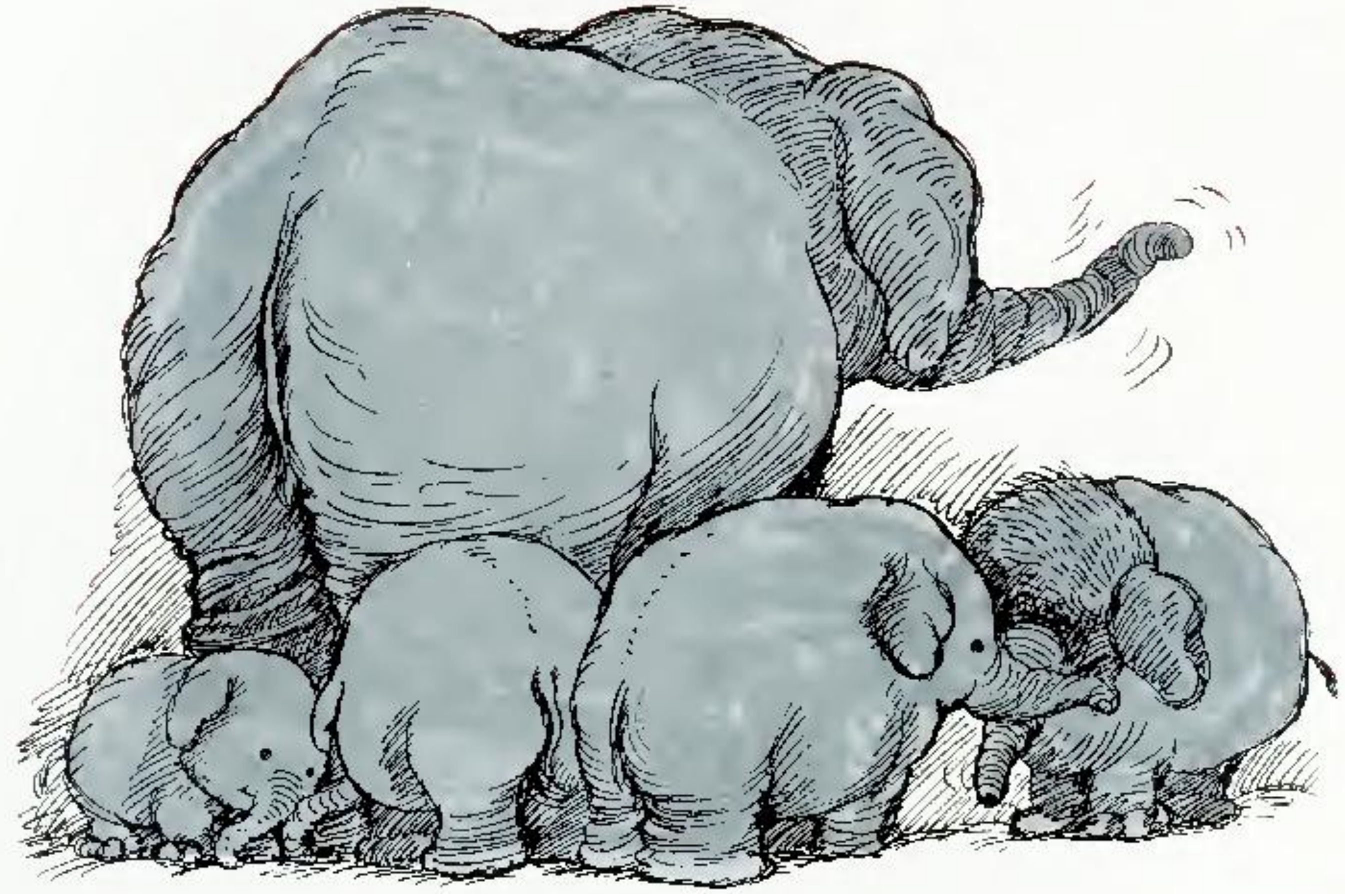
लेकिन फिर वे सकारात्मक पहलू पर गौर करने की कोशिश करते और कहते: "हिरण के बच्चे के सींग तब नहीं निकलते जब वे छोटे होते हैं और उसके सींग बड़े होने पर ही विकसित होते हैं, इसलिए हो सकता है कि जब जंबो बड़ा होगा तो उसकी सूंड, पूँछ और बड़े कान भी विकसित होंगे."



अर्नोल्ड की तरह जंबो भी बहुत होशियार और लाड़ला था, इसलिए जल्द ही उसके हाथियों ने उसे बहुत प्यार करना शुरू कर दिया और कान, सूंड और पूँछ की कमी पर शायद ही कभी ध्यान दिया.

हालाँकि, जब वे बहुत अच्छे मूड में होते, तब भी हाथियों को जंबो में कोई पारिवारिक समानता नज़र नहीं आती थी. इसकी एक वजह यह थी कि जंबो बिल्कुल भी हाथी जैसा नहीं दिखता था, और दूसरी वजह यह थी कि हाथियों को पारिवारिक समानता जैसी चीज़ों की परवाह ही नहीं थी.





जंबो, ज़्यादातर समय, बहुत खुश रहता था. वह उन हाथियों से बहुत प्यार करता था जो उसकी देखभाल करते थे और वह जानता था कि वे भी उससे प्यार करते थे. लेकिन वह यह भी जानता था कि वह दूसरे छोटे हाथियों से अलग था, और कभी-कभी उसे लगता था कि वह बिल्कुल अजीब लग रहा है, और कभी-कभी, जब कोई नहीं देख रहा होता, तो वह खुद रो लेता था.



मुझे यह बताते हुए दुःख हो रहा है कि जैसे-जैसे समय बीतता गया, जंबो अपने रूप-रंग को लेकर और भी ज़्यादा परेशान होता गया. उसके माता-पिता जंबो की भावनाओं को ठेस न पहुँचाने के लिए बहुत सावधान रहते थे, और जब भी उसके सामने कान, सूंड या पूँछ का ज़िक्र होता, तो वे हमेशा कुछ न कुछ दिलासा देने वाली बात उससे ज़रूर कहते, जैसे: "पूँछ बहुत परेशान करती है, जंबो—तुम्हें तो खुश होना चाहिए कि तुम्हारी पूँछ नहीं है."

हालांकि जंबो जानता था कि वे ये बातें सिर्फ़ उसे अच्छा महसूस कराने के लिए कह रहे थे, फिर भी वह हर बार रो पड़ता था.

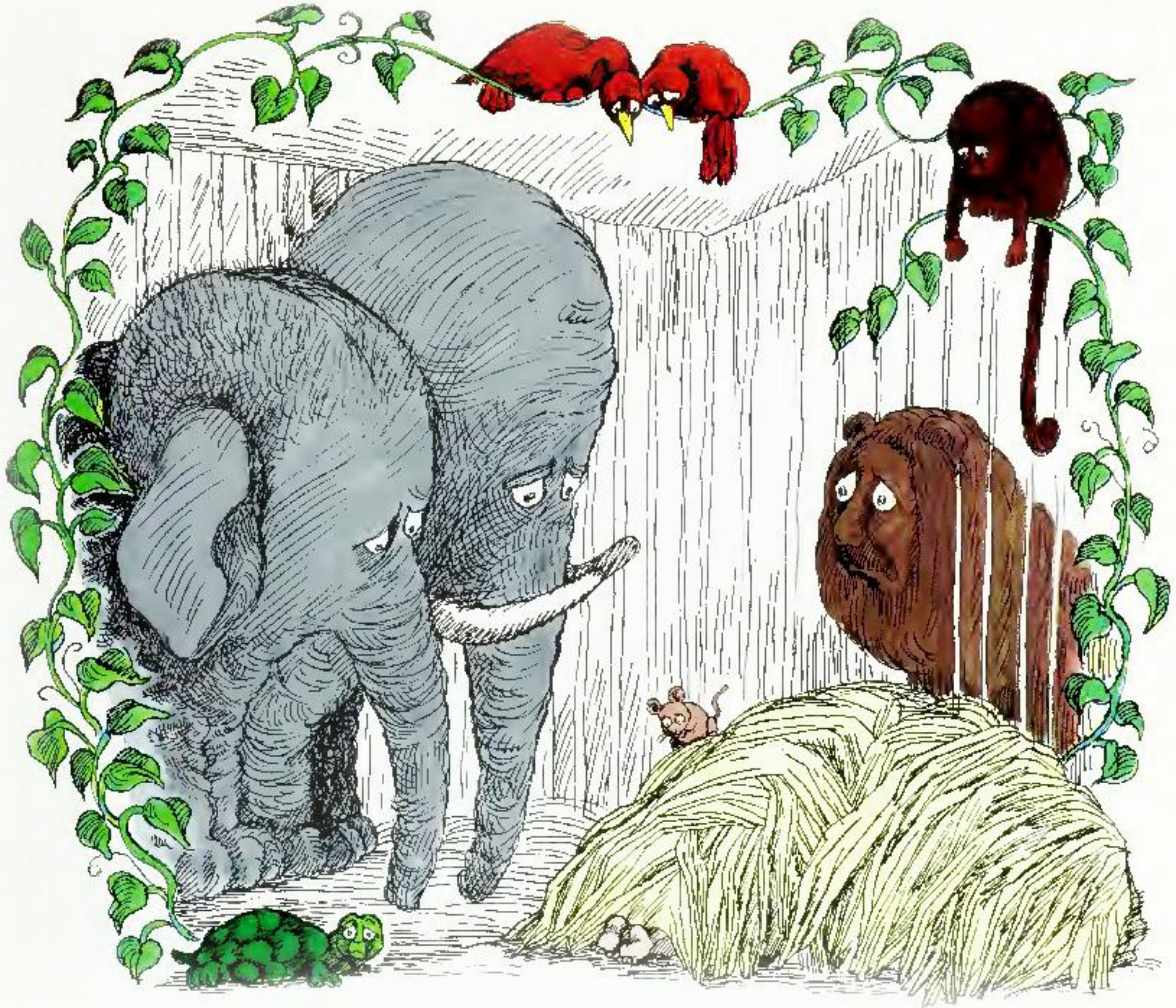
एक दिन, जंबो के माता-पिता को जिस बात का डर था, वही हुआ. हाथीघर के दूसरी तरफ़ एक पिंजरे से कुछ छोटे हाथियों ने जब जंबो को देखा तो वे उसे चिढ़ाने लगे.

"अरे, छोटे कान वाले!" वे चिल्लाने लगे. "अरे, बिना सूंड वाले!"

"अरे, बिना पूँछ वाले!"

जंबो अपने पिंजरे के सबसे अँधेरे कोने में भाग गया और भूसे के एक बड़े ढेर के नीचे जाकर छिप गया.

जब उसके माता-पिता को पता चला कि क्या हुआ था, तो वे बहुत गुस्सा हुए. उन्होंने उन दुष्ट छोटे हाथियों के माता-पिता से शिकायत की और उन्हें कड़ी सज़ा देने की सिफ़ारिश की.



लेकिन बेचारे जंबो से चाहे जितनी भी मिन्नतें कीं, वह भूसे के ढेर के नीचे से बाहर नहीं आया.

"मैं बेहद बदसूरत हूँ," उसने कहा. "मैं दूसरे हाथियों जैसा नहीं दिखता. मैं नहीं चाहता कि अब कोई मेरी तरफ देखे."

उससे माँ और पिता हाथी काफ़ी परेशान हुए.

"हमें बेचारे जंबो को यह एहसास दिलाना होगा कि वह भी बाकी हाथियों जैसा ही है," उन्होंने कहा, "लेकिन कैसे?"



तब पिता हाथी के दिमाग़ में एक योजना आई. वह गया और कुछ गत्ता, गोंद, रस्सी और एक कैंची ले आया, और काम में लग गया. जब उसका काम पूरा हुआ, तो वह काफ़ी खुश लग रहा था.

"इन्हें देखो," उसने अपनी पत्नी से कहा. "अब हमारा जंबो बाकी सभी हाथियों जैसा दिखेगा." और उसने उसे दिखाया कि उसने क्या बनाया था: दो बड़े भूरे कार्डबोर्ड के कान, एक लंबी भूरे कार्डबोर्ड की सूंड, और एक छोटी सी गुच्छेदार रस्सी जैसी पूँछ.

जब जंबो ने देखा कि पिता हाथी द्वारा बनाई चीज़ें देखीं तो वह थोड़ा खुश हुआ.

"क्या तुम्हें सच में लगता है कि ये काम करेंगे?" उसने पूछा.

"इन्हें पहनकर देखो," पिता हाथी ने कहा.

फिर जंबो ने वही किया.

"ये बहुत मज़ेदार लगते हैं," जंबो ने कहा. "ये कैसे दिखते हैं?"

"शानदार," पिता हाथी ने कहा, "सौ घास के ढेर जितने ऊँचे." (एक हाथी किसी की सबसे बड़ी तारीफ़ यही कर सकता है कि वह उसे सौ घास के ढेर जितना ऊँचा दिखता है.)

"इतना अच्छा, है ना?" जंबो ने कहा.

"सौ घास के ढेर—शायद एक सौ दस भी," माँ हाथी ने उत्साह में अतिशयोक्ति करते हुए कहा.



जंबो संतुष्ट लग रहा था और फिर वो खेलने चला गया, उसे पहली बार लगा कि वह दूसरे हाथियों जैसा दिख रहा है. लेकिन जैसे ही वह चला गया, माँ और पिता हाथी ने सिर हिलाया और फिर एक-दूसरे को उदास होकर देखा.

"मुझे डर है कि हमने झूठ बोला है," पिता हाथी ने कहा.

"वह अभी भी हाथी जैसा नहीं दिखता है," माँ हाथी ने कहा.

"वह लगभग उतना ही हाथी जैसा दिखता है जितना मैं कंगारू जैसा दिखता हूँ," पिता हाथी ने कहा.

"तुम्हें पता है," माँ हाथी ने कहा, "हालाँकि यह सच है कि जंबो हाथी जैसा नहीं दिखता, वह किसी-न-किसी जानवर जैसा ज़रूर दिखता है. काश मैं सोच पाती कि वह कौन सा जानवर हो सकता है."

"हाँ," हाथी पिता ने सहमति जताई. "शायद अगर हम सोच पाते कि जंबो किस जानवर जैसा दिखता है, तो हम उसकी बेहतर मदद कर पाते."



वे दोनों बैठ गए और कल्पना करने लगे कि उनका जंबो किस जानवर जैसा दिखता है.

"जंबो के कान और नाक छोटे हैं, और जिराफ़ के भी," हाथी माता ने कहा. "शायद वह जिराफ़ हो."

उन्होंने जंबो को जिराफ़ के रूप में कल्पना करने की कोशिश की.



"नहीं," हाथी पिता ने कहा. "उसकी गर्दन ज़्यादा लंबी नहीं है, और इसके अलावा उसकी पूँछ भी नहीं है. जंबो कोई जिराफ़ नहीं है. लेकिन हो सकता है कि वह... एक विशाल पांडा हो."

"हाँ," हाथी माता ने उत्साह से कहा. "एक विशाल पांडा की पूँछ बिलकुल नहीं होती, और उसके कान जंबो की तरह छोटे होते हैं, लेकिन सूंड नहीं होती. हो सकता है कि वह एक विशाल पांडा हो."

"नहीं," पिता हाथी ने कहा, "सभी संकेत ग़लत हैं, और जंबो के सिर पर उस छोटे से हिस्से को छोड़कर, उसके शरीर पर बिल्कुल भी बाल नहीं हैं. मुझे डर है कि वह भी विशाल पांडा नहीं है. लेकिन हो सकता है कि वह... एक ओरंगुटान हो."



"हाँ!" माँ हाथी ने कहा. "एक ओरंगुटान के शरीर पर विशाल पांडा के मुकाबले बहुत कम बाल होते हैं, और उसके सिर के ऊपर जंबो की तरह एक छोटा सा हिस्सा होता है, और मुझे याद नहीं कि ओरंगुटान की पूँछ होती है या नहीं, लेकिन अगर होती भी है तो वह बहुत बड़ी नहीं होती. हो सकता है कि जंबो एक ओरंगुटान हो." उन्होंने जंबो को एक ओरंगुटान के रूप में चित्रित करने की कोशिश की.



"नहीं," पिता हाथी ने आखिरकार कहा, "वो शायद एक ओरंगुटान के करीब हो, लेकिन वह भी पूरी तरह से वैसा नहीं है. जंबो की बाहें इतनी लंबी नहीं हैं, और उसका चेहरा कुछ अलग है, और उसके पास ओरंगुटान जितने रोएँ भी नहीं हैं. नहीं, अगर मैं बहुत ज़्यादा ग़लत नहीं हूँ, तो मुझे नहीं लगता कि ओरंगुटान ही जंबो है. हालाँकि, मुझे लगता है कि हम काफ़ी करीब हैं. मुझे लगता है कि हम सचमुच काफ़ी करीब हैं. तो फिर, ऐसा क्या है जो ओरंगुटान जैसा दिखता है, लेकिन है नहीं?"

"ऐसा क्या है जो ओरंगुटान जैसा दिखता है, लेकिन है नहीं?" माँ हाथी ने कहा. "हम्म, मुझे सोचने दो. मुझे पता है—एक गोरिल्ला!"

उन्होंने जंबो को गोरिल्ला के रूप में चित्रित करने की कोशिश की, लेकिन वह भी काम नहीं आया.

"एक चिम्पांजी?" पिता हाथी ने कहा.

लेकिन वह भी नहीं था.

"एक बत्तख-बिल वाला प्लैटिपस!" माँ हाथी ने कहा.

"एक बत्तख-बिल वाला प्लैटिपस?" पिता हाथी ने कहा. "क्या तुमने यह कहा—एक बत्तख-बिल वाला प्लैटिपस?"

"उह, हाँ, क्यों?" माँ हाथी ने कहा.

"क्या तुम जानते हो कि बत्तख-बिल वाला प्लैटिपस कैसा दिखता है?" पिता हाथी ने कहा.

"अच्छा, मुझे नहीं लगता," माँ हाथी ने कहा.

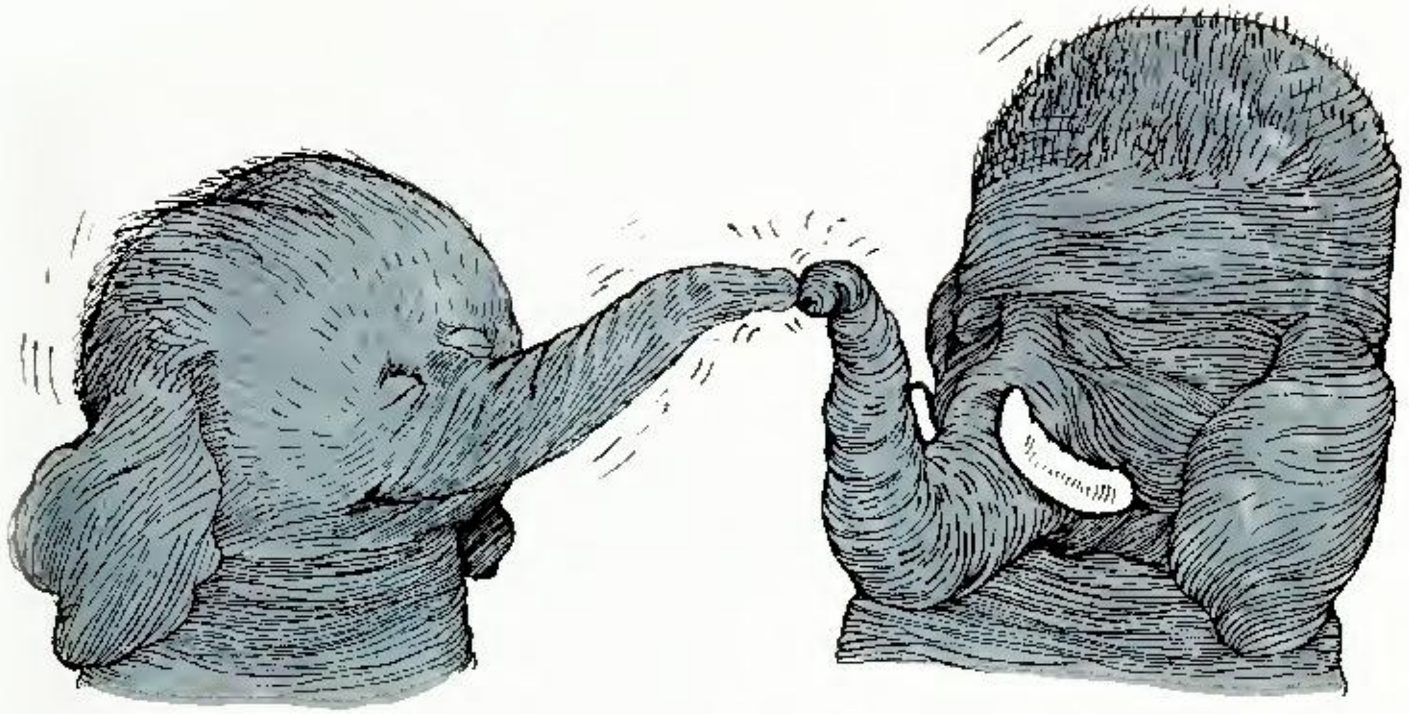


"हम्म्फ़!" पिता हाथी ने कहा. "वाकई एक बत्तख-बिल वाला प्लैटिपस. जंबो उतना ही बत्तख-बिल वाले प्लैटिपस जैसा दिखता है जितना वो... हमारे चिड़ियाघर के संचालक मिस्टर स्टाइल्स जैसा दिखता है."

पिता हाथी की आँखें अचानक बहुत चौड़ी हो गईं.

"रुको—बस!" उसने कहा. पिता हाथी उत्साह से उछलने लगा. "बस, बस!" वह चिल्लाए.





"जंबो एक शिशु चिड़ियाघर पालक है?" माँ हाथी ने कहा. "नहीं, वो एक मानव शिशु —जंबो यही तो है, एक शिशु मानव!"

"पिता, तुम तो बहुत होशियार हो," माँ हाथी ने कहा, और उसने अपने पति की सूंड के सिरे पर चुंबन किया. “तुम बिल्कुल सही कह रहे हो. अब जब मैं सोचती हूँ, तो जंबो बिल्कुल उन इंसानों जैसा दिखता है जो यहाँ सलाखों के उस पार हमसे मिलने आते हैं. लेकिन तुम कैसे सोच सकते हैं कि मैंने एक शिशु हाथी के बजाए एक शिशु मानव को जन्म दिया होगा?"

"यह बात मुझे नहीं पता," पिता हाथी ने कहा. "आखिरकार, मैं तो एक हाथी ही हूँ. शायद हमें किसी ऐसे व्यक्ति से पूछना चाहिए जो सचमुच होशियार हो, जैसे मिस्टर स्टाइल्स."

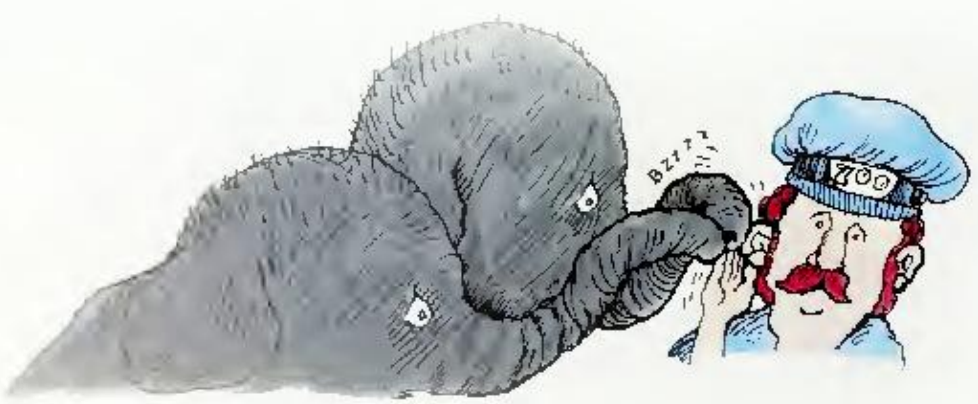
और उसके बाद हाथी के पिता और माता उस शाम मिस्टर स्टाइल्स के उन्हें खाना खिलाने आने तक इंतज़ार करते रहे, और फिर उन्होंने अपना संदेह उनके कान में फुसफुसाया.

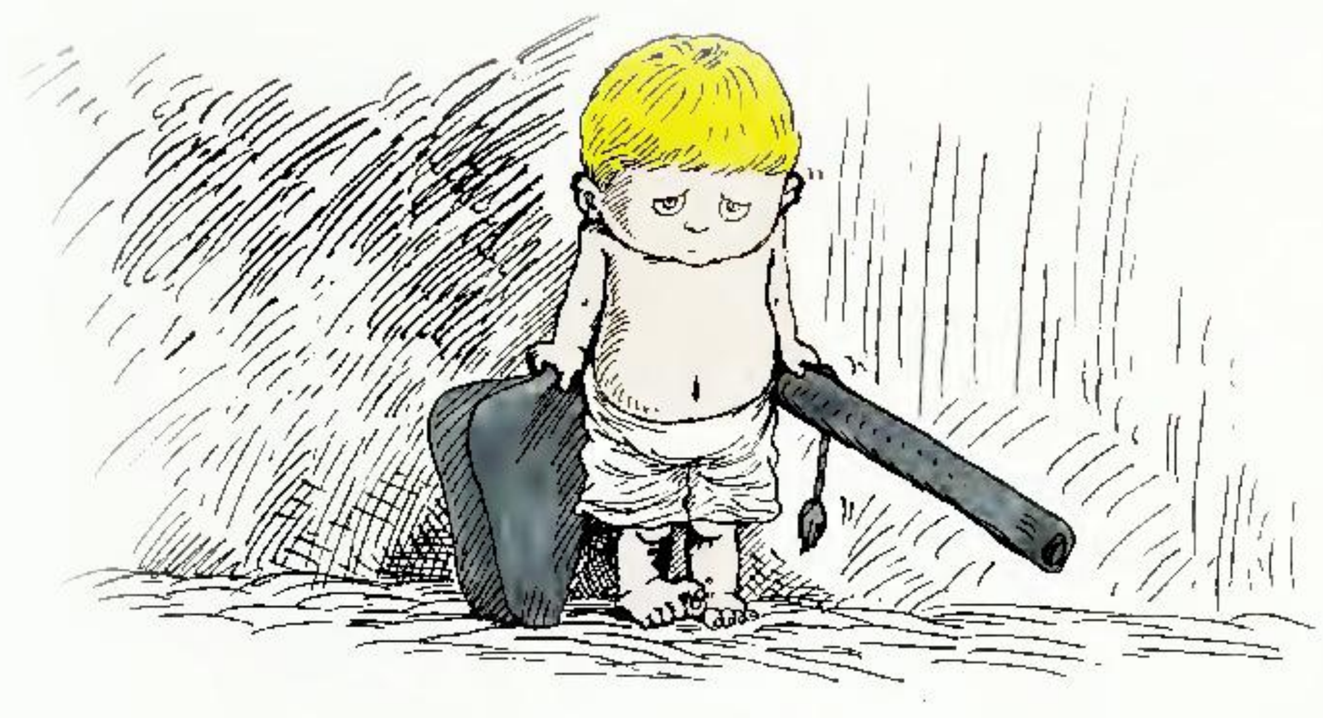
"हम्म्म्म," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा, "एक इंसान का बच्चा, है ना? बहुत दिलचस्प, बहुत दिलचस्प. मैंने देखा था कि वह एक छोटे हाथी के लिए थोड़ा अजीब लग रहा था, लेकिन मैंने इस बारे में कुछ नहीं कहा, क्योंकि मैं आप लोगों को नाराज़ नहीं करना चाहता था. लेकिन चूँकि आपने खुद ही यह मामला उठाया है, तो मुझे उस छोटे से बच्चे को ध्यान से देखने और फिर थोड़ा सोचने दीजिए."

मिस्टर स्टाइल्स जंबो के पास गए और उन्होंने उसे गौर से देखा.

"मुझे नहीं पता," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा. "मैंने पहले ऐसा नहीं सोचा था, लेकिन अब वह मुझे ज़रूर एक हाथी जैसा लग रहा है. नन्हे इंसानों के कान, सूंड और पूँछ इतने बड़े नहीं होते, तुम्हें पता है."

"ओह, ये तो बस कार्डबोर्ड हैं," हाथी के पिता ने कहा. "हमने इन्हें उसके लिए इसलिए बनाया है ताकि वो हाथी जैसा दिखे, बस. बेटा, ज़रा अपने कान, सूंड और पूँछ उतार दो. मिस्टर स्टाइल्स को अच्छी तरह से देखने दे."





शर्मिंदा होकर, जंबो ने अपने कान, सूंड और पूँछ उतार दिए. मिस्टर स्टाइल्स ने उसे गौर से देखा, फिर अपना सिर झुकाकर सीटी बजाई.

"लड़का," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा, "तुम लोग बिल्कुल सही कह रहे हो. मैं तुम्हें सलाम करता हूँ. अगर मैंने कभी कोई नन्हा इंसान का बच्चा देखा है, तो वो यही है."

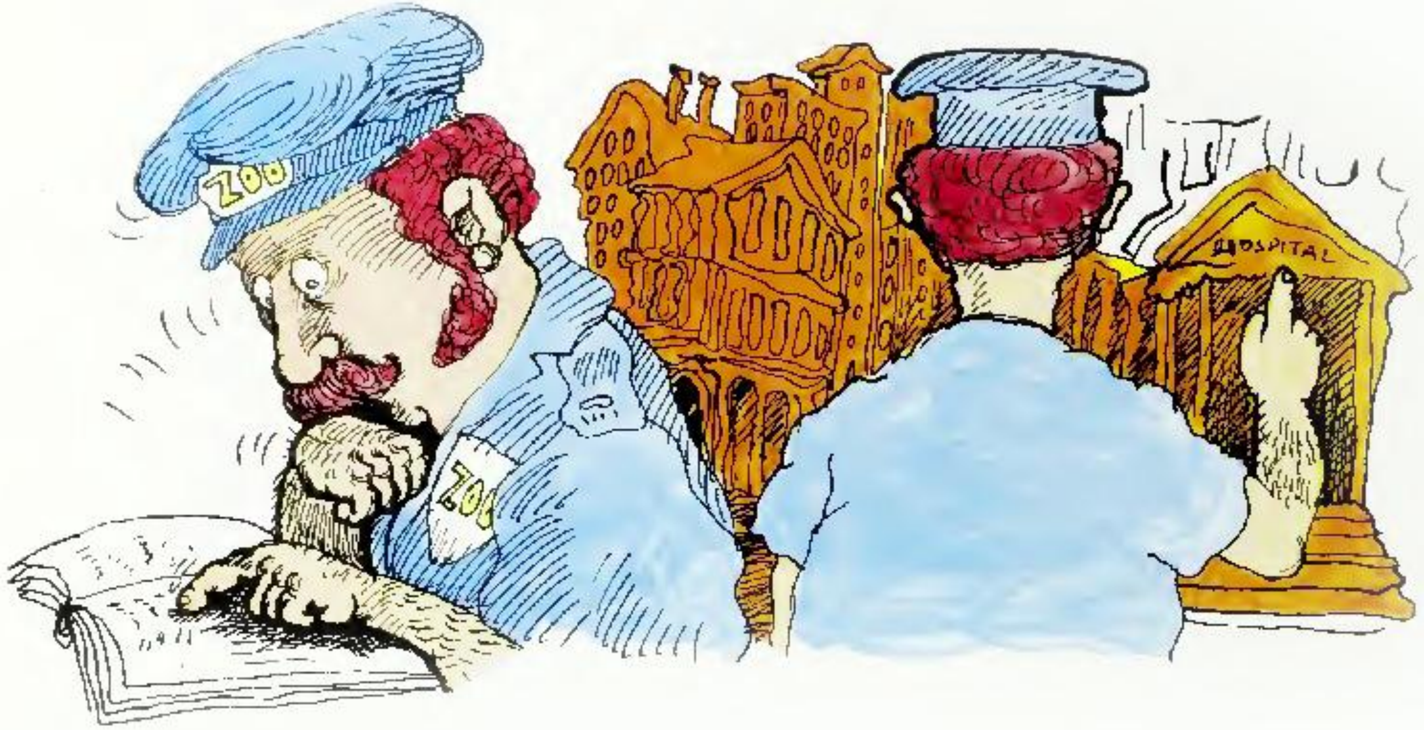
"हम समझ नहीं पा रहे हैं कि मैं हाथी के बच्चे की बजाय, किसी इंसान के बच्चे को कैसे जन्म दे सकती थी."

"शायद तुमने ऐसा नहीं किया हो," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा.

"आपका क्या मतलब है?" माँ हाथी ने पूछा.

"मैं बाद में समझाऊँगा," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा. "पहले, मैं खुद थोड़ी जाँच-पड़ताल करूँगा. हम दुबारा कल सुबह मिलेंगे."

और फिर वह चले गए.



मिस्टर स्टाइल्स ने चिड़ियाघर कार्यालय के रिकॉर्ड में जंबो के जन्म की तारीख देखी. फिर उन्होंने उस अस्पताल का पता लगाया जहाँ जंबो का जन्म हुआ था. फिर उन्होंने कई फ़ोन किए. उसके बाद वह सोने चले गए.





अगली सुबह, जंबो के असली माँ और पिता के शहर के आरामदायक घर के बाहर एक बड़ा ट्रक आकर रुका. मिस्टर स्टाइल्स ट्रक से उतरे, वो घर के दरवाज़े तक गए और उन्होंने घंटी बजाई.

तुरंत दरवाज़ा खुला और छोटी पैंट, पोलो शर्ट और स्नीकर्स पहने एक छोटे से हाथी ने उनसे पूछा: "कृपा बताएं आप कौन है?"

"मैं चिड़ियाघर से मिस्टर स्टाइल्स हूँ," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा. "और तुम कौन हो?"

"मैं अर्नोल्ड हूँ," अर्नोल्ड ने कहा.

"हेलो, अर्नोल्ड," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा.



तभी एक महिला दरवाज़े पर आई.

"हाँ?" उसने कहा. "क्या मैं आपकी कुछ मदद कर सकती हूँ?"

"मेरा नाम स्टाइल्स है, मैडम," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा. "मैं चिड़ियाघर से आपके लिए कुछ लाया हूं. क्या मैं आपको वो दिखा सकता हूँ?"

"हाँ, ज़रूर," महिला ने कहा, "आप मुझे क्या दिखाना चाहते हैं?"

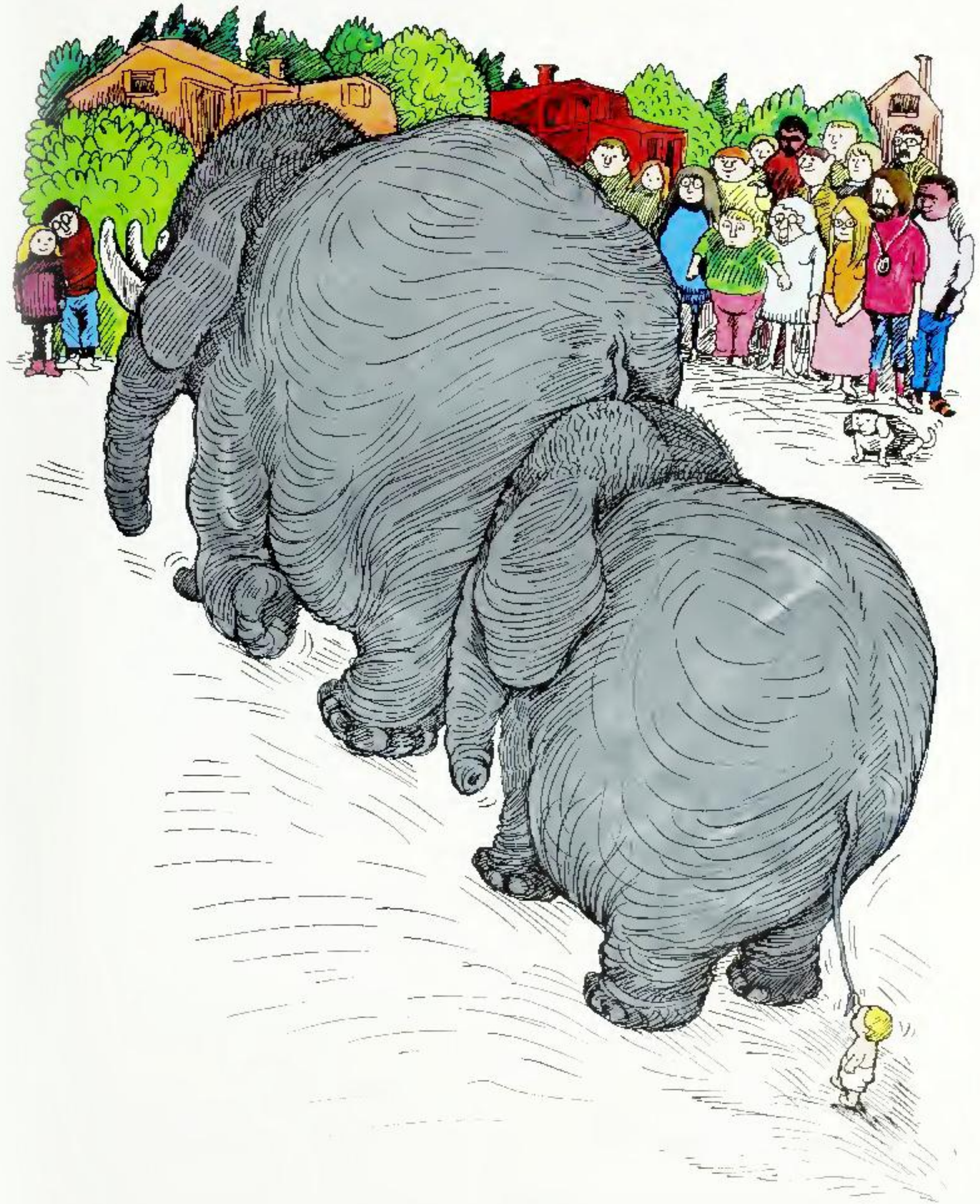
"ज़रा रुकें," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा. फिर वह ट्रक की तरफ़ वापस गए. उन्होंने ट्रक के पिछले दरवाज़े खोले और अंदर मौजूद लोगों को बाहर आने का इशारा किया.

कुछ ही देर बाद एक बड़ा हाथी ट्रक से बाहर निकला, उसके पीछे एक मध्यम आकार का हाथी, उसके बाद एक बहुत ही छोटी सी चीज़ जो थोड़ी-बहुत हाथी जैसी दिख रही थी, लेकिन असल में थी नहीं. वे सभी शर्माते हुए मिस्टर स्टाइल्स के पीछे-पीछे ऊपर की ओर चल दिए.

"क्यों, यह क्या है?" महिला ने पूछा. "मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा."

तभी उस महिला का पति दरवाज़े पर आया और उसने वहां खड़े हाथियों को देखा. "यह सब क्या हो रहा है?" उसने पूछा.

और फिर यह हुआ.





लगभग उसी क्षण, महिला को किसी तरह यह समझ में आ गया कि जंबो कौन है, और माँ हाथी को किसी तरह यह समझ आ गया कि अर्नोल्ड कौन है, और अगले ही क्षण पुरुष और महिला दोनों ने, जंबो को अपनी बाहों में उठा लिया और माँ और पिता हाथी ने अर्नोल्ड को, अपनी सूंड में उठा लिया था, और सभी एक साथ हँसने और रोने लगे.

"क्या आप मेरे असली माँ और पिता हैं?" जंबो ने कहा.

"हाँ, प्यारे," जंबो के असली माँ और पिता ने कहा.

"तो मुझे लगता है कि मैं कोई अजीब दिखने वाला हाथी नहीं हूँ, है ना?" जंबो ने कहा.

"नहीं," जंबो के असली माँ और पिता ने कहा, "तुम एक सुंदर छोटे लड़के हो."



"और मुझे लगता है कि मैं कोई अजीब दिखने वाला छोटा लड़का नहीं हूँ," अर्नोल्ड ने कहा.

"नहीं," माँ और पिता हाथी ने कहा, "तुम एक सुंदर छोटे हाथी हो."

"ठीक है," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा, "मुझे लगता है कि अगर मैं जंबो को यहाँ आपके पास छोड़ दूँ और अर्नोल्ड को उसके असली माता-पिता के पास चिड़ियाघर ले जाऊँ, तो मुझे यकीन है कि आप लोगों को इसमें कोई आपत्ति नहीं होगी. है ना?"



सब लोग बस सहमत होने ही वाले थे कि अचानक उन्हें एहसास हुआ कि असल में क्या हो रहा है.

"क्या आप जानते हैं, मिस्टर स्टाइल्स," जंबो के असली माँ-बाप ने कहा, "हमने अर्नोल्ड को वैसे ही प्यार किया जैसे वह हमारा अपना बेटा हो."

"हाँ," अर्नोल्ड ने कहा, "मैं इन अद्भुत लोगों को कैसे छोड़ सकता हूँ, मिस्टर स्टाइल्स?"



"और हम जंबो से वैसे ही प्यार करते हैं जैसे वह हमारा अपना बेटा हो," माँ और पिता हाथी ने कहा.

"मैं इन अद्भुत हाथियों को कैसे छोड़ सकता हूँ, मिस्टर स्टाइल्स?" जंबो ने कहा.



मिस्टर स्टाइल्स ने आह भरी.

"ठीक है, आप सब लोग यहाँ इस घर में नहीं समा सकते," उन्होंने कहा, "और मैं तुम सबको चिड़ियाघर के हाथीघर में तो बिल्कुल नहीं ले जा सकता हूं ...

सब लोग उत्सुकता से मिस्टर स्टाइल्स की ओर देखने लगे.

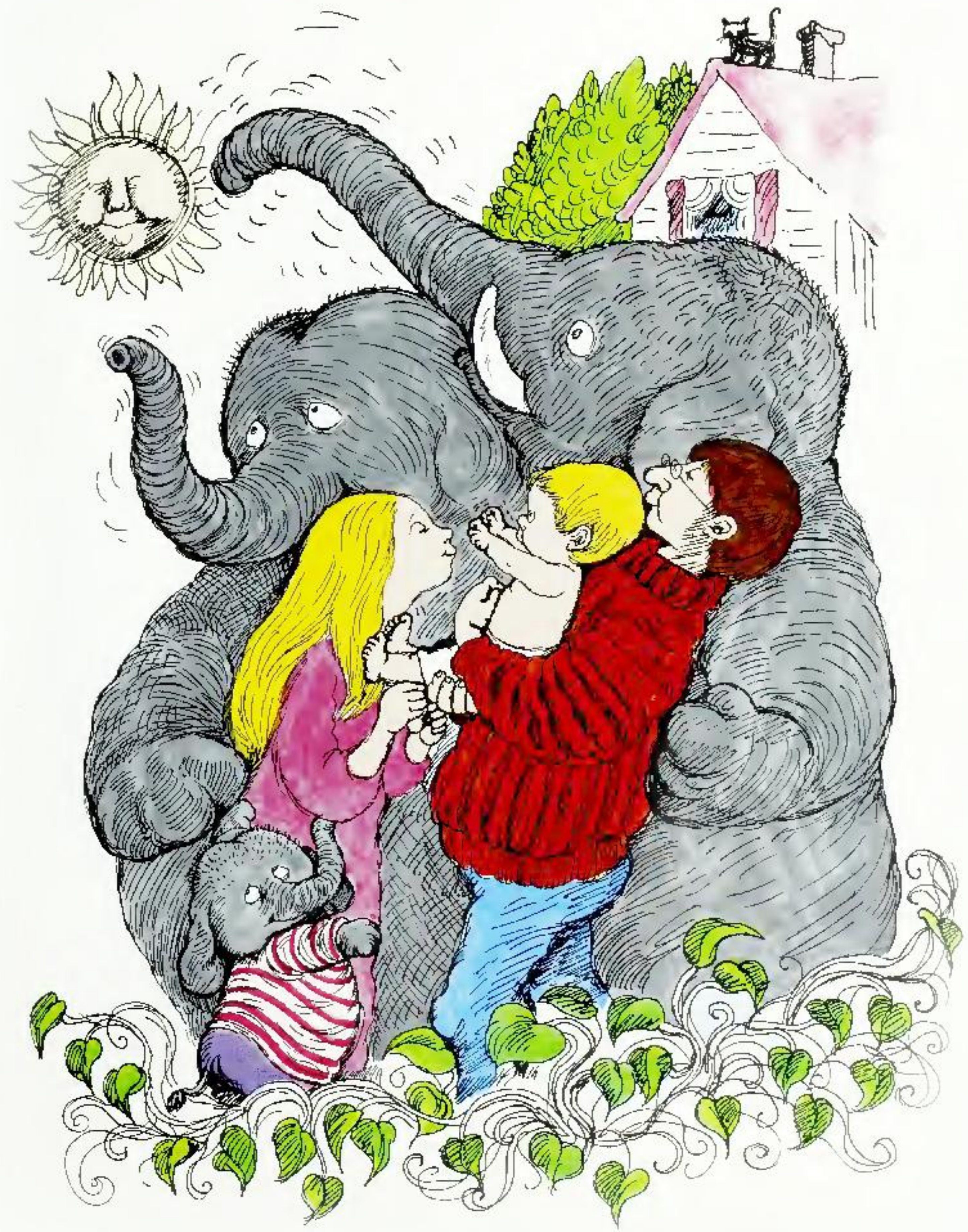
"मैं तुम्हें एक पते की बात बताऊँगा," मिस्टर स्टाइल्स ने कहा. "मैं जंबो को तुम्हारे पास यहाँ छोड़ दूँगा और अर्नोल्ड को वापस चिड़ियाघर ले जाऊँगा, जैसा कि मैंने पहले कहा था. लेकिन हर शनिवार सुबह मैं जल्दी आऊँगा और तुम तीनों को दिन भर के लिए चिड़ियाघर ले जाऊँगा ताकि तुम सब एक-दूसरे से मिल सको. यह, कैसा रहेगा?"

"मिस्टर स्टाइल्स," जंबो के असली माँ-बाप ने कहा, "आप वाकई बहुत होशियार हैं."

"मिस्टर स्टाइल्स," स्टाइल्स," माँ और पिता हाथी ने कहा, "आप सौ घास के ढेर से भी ज़्यादा ऊँचे हैं."

"सौ घास के ढेर से भी ऊँचे?" हाथी अर्नोल्ड ने पूछा. "इसका क्या मतलब है?"

"ओह, यह हाथियों की बात है, अर्नोल्ड," लड़के जंबो ने कहा. "मैं तुम्हें अगले शनिवार को इसके बारे में सब कुछ बताऊंगा."







और इस तरह सभी हाथी शहर के चिड़ियाघर में अपने आरामदायक पिंजरे में वापस चले गए, और सभी लोग शहर के ऊपर अपने आरामदायक घर में चले गए, और फिर वे हमेशा ख़ुशी-ख़ुशी रहे.


OUR HERO